कैंसर प्रभावित क्षेत्रों को विशेष सहायता देने की योजना पर विचार, हरियाणा में 22 जिलों में कैंसर उपचार सेवाएं उपलब्ध : केंद्रीय मंत्री

सांसद सैलजा ने लोकसभा में उठाया था कैंसर और प्रदूषित जल का मुद्दा

नई दिल्ली / सिरसा, 15 जून।

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा द्वारा लोकसभा में उठाए गए कैंसर और प्रदूषित जल से जुड़े गंभीर मुद्दे पर केंद्रीय आयुष एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने लिखित उत्तर में कहा है कि केंद्र सरकार कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों को सहायता प्रदान कर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्यों को कैंसर सहित अन्य गंभीर रोगों की रोकथाम, जांच और उपचार के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

अपने उत्तर में मंत्री ने जानकारी दी कि हरियाणा में वर्तमान में 22 जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में 22 जिला एनसीडी क्लीनिक, 157 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर की एनसीडी क्लीनिक तथा 5 जिला अस्पतालों में कैंसर कीमोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में कैंसर उपचार सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

कुमारी सैलजा ने अपने प्रश्न में कैंसर प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर सिरसा और आसपास के इलाकों में प्रदूषित जल तथा पर्यावरणीय कारणों से बढ़ रहे कैंसर मामलों को लेकर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया था। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक अध्ययनों में सीसा, तांबा और एल्यूमिनियम जैसे तत्वों की अधिकता तथा जल प्रदूषण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है।

मंत्री ने यह भी बताया कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा नियमित रूप से जल गुणवत्ता की निगरानी की जाती है। वर्ष 2023 में किए गए विश्लेषण के अनुसार हरियाणा में निगरानी किए गए कई स्थानों पर नदी जल निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया था, जिस पर सुधारात्मक कदम उठाए जा

रहे हैं। उत्तर में यह भी कहा गया कि प्रदूषण नियंत्रण और सीवरेज उपचार की दिशा में हरियाणा में अनेक परियोजनाएं संचालित हैं। राज्य में बड़ी संख्या में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए गए हैं और प्रदूषित जल के उपचार की क्षमता में लगातार वृद्धि की जा रही है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कैंसर और प्रदूषित जल का मुद्दा केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं बल्कि लाखों लोगों के जीवन और भविष्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। उन्होंने मांग की कि सिरसा सहित कैंसर प्रभावित क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य सुविधाएं, आधुनिक जांच केंद्र और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें समन्वित कार्ययोजना बनाएं।

फोटो कुमारी सैलजा